

This question paper contains 3 printed pages]

G—2—2018

FACULTY OF ARTS AND FINE ART

M.A. (First Year) (First Semester) EXAMINATION

OCTOBER/NOVEMBER, 2018

HINDI

Paper I

(प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य भाग 1)

(Monday, 26-11-2018)

Time : 10.00 a.m. to 1.00 p.m.

Time—Three Hours

Maximum Marks—75

N.B. :— (i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(ii) दाहिनी ओर प्रश्नों के अंक दिए गए हैं।

1. ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

10

(अ) जुगल सैल-सिम हिमकर देखल

एक कमल दुइ जोति रे ॥

फुललि मधुरि फुल सिंदुर लोटाएल

पाँति बइसलि गज-मोति रे।

आज देखल जति के पतिआएत

अपुरुब बिहि निरमान रे ॥

अथवा

कबीर माया मोहनी, जैसी मीठी खाँड।

सतगुर की कृपा भई, नहीं तो करती भाँड ॥

कबीर माया मोहनी, सब जग घाल्या घांणि।

कोई एक जन ऊबरे, जिन तोड़ी कुल की कांणि ॥

P.T.O.

- (ब) लागीं केलि करै मँझ मीरा, हंस लजाय बैठ ओहि तीरा। 10
 पद्मावति कौतुक कहँ राखी, तुम ससि होहुँ तराइन्ह साखी।
 बाद मेलि कै खेलपसारा, हार देइ जो खेलत हारा।
 संवरिहि साँवरि, गोरिहिं गोरी, आपनि-आपनि लीन्ह सो जोरी।

अथवा

भगति भजन हरि नाँव है, दूजा दुख अपार।
 मनसा बाचा कर्मनां, कबीर सुमिरण सार॥
 कबीर सुमिरण सार है, और सकल जंजाल।
 आदि अंत सब सोधिया, दूजा देखौं काल॥

2. विद्यापति की पदावली के भाषिक सौंदर्य पर निबंध लिखिए। 20

अथवा

जायसी द्वारा पद्मावत में अभिव्यक्त नागमती की विरह व्यथा का विवेचन कीजिए।

3. टिप्पणियाँ लिखिए : 10

(अ) कबीर के गुरु संबंधी विचार;

अथवा

पद्मावति की जलक्रीड़ा।

- (ब) विद्यापति का नखशिख वर्णन; 10

अथवा

कबीर के कुसंग संबंधी विचार।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग पंद्रह-बीस पंक्तियों में लिखिए : 5

(i) मीरा की भक्ति-भावना को स्पष्ट कीजिए।

(ii) रैदास का जीवन परिचय दीजिए।

(iii) सिद्ध साहित्य में सरहपाद का योगदान रेखांकित कीजिए।

(iv) नंददास की काव्य गत विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए।

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए :

5

(अ) (i) 'दोहाकोश' के लेखक कौन हैं ?

(ii) रैदास ने किस पंथ की स्थापना की ?

(iii) चंदबरदाई की प्रसिद्ध रचना का नाम लिखिए।

(iv) 'नरसी मेहता का मायरा' किसकी रचना है ?

(v) 'रास पंचाध्यायी' के रचनाकार कौन हैं ?

(ब) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

5

(i) पृथ्वीराज चौहान के दरबारी कवि थे।

(ii) राहुल सांस्कृत्यायन के मतानुसार हिंदी के प्रथम कवि हैं।

(iii) को मीरा ने गुरु माना।

(iv) नंददास के अराध्य हैं।

(v) रैदास काव्यधारा के कवि हैं।